BA Part II (Hons/GEN)

Lecture II

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College RajNagar

सामाजिक समस्याएं (परिभाषाएं) => सामाजिक समस्या के अर्थ को उसकी परिभाषाओं के आधार पर स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। जो इस प्रकार है -

रिचर्ड फास्कीन के अनुसार " सामाजिक समस्या वह सामाजिक परिस्थिति है, जो समाज के आर्थिक संख्या में क्षमताशील, समर्थ एवं सक्षम आलोचकों का ध्यान खींचती है तथा उन्हें यह आभास दिलाती है कि परिस्थिति के उपचार के लिए पुनर्व्यवस्थापन तथा किसी सामाजिक एवं सामूहिक क्रिया की आवश्यकता है।

सैमुअल कोइंग के अनुसार, " सामाजिक समस्या उन परिस्थितियों अथवा दशाओं का नाम है जिन्हें समाज हानिकारक मानता है तथा समाज

को जिनमें सुधार की आवश्यकता होती है।

हार्टन और लेस्ले के अनुसार," सामाजिक समस्या एक स्थिति है जो बहुत से लोगों को हानिकारक रूप से प्रभावित करती है और जिसका निवारण सामूहिक क्रिया से हो ही सकता है।"

इस परिभाषा में चार मुख्य तत्व मिलते हैं -

(i) एक ऐसी स्थिति जो समाज में बहुसंख्यक लोगों को प्रभावित करती है।

(ii) यह प्रभाव अनुचित व हानिकारक समझा जा सकता है।

(iii) इसका निवारण संभव है अथवा इसमें सुधार की सम्भावना का विश्वास है। तथा

(iv) निवारण सामूहिक क्रिया से ही संभव है।

राबर्ट निसबेट के अनुसार " सामाजिक समस्या वह पद्धति है जिसे समाज का एक बड़ा भाग एक या एक से अधिक अनुमोदित और स्वीकृत प्रतिमानों का उल्लंघन मानता है।"